SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-03| Issue-01| September- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/
DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i1.22

अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन

[1]विजेता सिंह [2]प्रो0 अरविंद कुमार पाण्डेय,

[1]शोधार्थिनी, शिक्षाशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
[2]शिक्षाशास्त्र विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
Email : vijetasingh080782@gmail.com

सारांश

वर्तमान समय में अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शिक्षा महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है। इसके साथ ही अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शिक्षा को क्षेत्र शोधार्थियों के लिये मुख्य क्षेत्र बना हुआ है। समय–समय पर विभिन्न शोधार्थियों द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े शैक्षिक तत्वों का अध्ययन किया गया है। यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शिक्षा से संबंधित अनेक कारकों जिसमें सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक बाधायें चुनौतियों के रूप में मौजूद है लेकिन सरकारी योजनाओं और प्रयासों से इसमें सुधार हो रहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत जिन जातियों को सूचीबद्ध किया गया है, इन्हें अनुसूचित जाति माना जाता है।

प्रमुख शब्द अनुसूचित जाति, शिक्षा, सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक बाधायें ।

सम्प्रत्यात्मक पृष्ठभूमि

किसी भी देश व समाज के विकास बालिकाओं का योगदान भी अद्वितीय है। अतः उनकी शिक्षा की अवहेलना नहीं की जा सकती है। बालिकाओं की शिक्षा की अवहेलना करना समाज की भावी पीढ़ी के साथ अन्याय करना है क्योंकि महिलायें समाज के विकास की आधार है, उन्हें शिक्षित करने का अर्थ है पूरे समाज को शिक्षित करना।

समकालीन भारतीय समाज में परिवर्तन की तीव्र गति से परिलक्षित हो रहा है। भारतीय समाज में वंचित वर्ग की बालिकाओं में अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शिक्षा में सुधार के लिए सरकार के द्वारा नई–नई नीतियां चलायी जा रही है। उल्लेखनीय है कि भारतीय समाज में बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति

आज भी दयनीय है। वे स्वतंत्र एवं आत्मनिर्भर जीवन के अधिकारों से वंचति है। अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति और भी निम्न एवं चिंताजनक है। इस परिप्रेक्ष्य में अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है।

अध्ययन आवश्यकता एवं महत्व

यह अध्ययन अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति में विश्लेषण की अन्तर्दृष्टि प्रदान करता है, साथ ही शिक्षा बालिकाओं में सशक्तिकरण के अनुभवात्मक निष्कर्ष एवं उसके प्रतिमानों के निरूपण में सहायक होता है। अनुसूचित जाति की बालिकाओं के जीवन में सुधार लाना उन्हें सबल तथा सशक्त बनाने के उपायों एवं प्रयत्नों को एक उल्लेखनीय आधार प्रदान करता है।

बालिकाओं को शिक्षित करना ही नहीं बल्कि उससे पूरे परिवार के स्थिति में भी काफी बदलाव आता है।

अध्ययन का उद्देश्य

1. ग्रामीण क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करना।
2. शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का अध्ययन करना।
3. ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन।

संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

रूबी कुमारी और डॉ0 कल्पना कुमारी (2023), ने अपने अध्ययन 'अनुसूचित जाति की बालिकाओं की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहभागिता का विश्लेषणात्मक अध्ययन'' के अन्तर्गत यह निष्कर्ष पाया कि अनुसूचित जाति की बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिये जो केन्द्रीय एवं समाजसेवियों द्वारा सुधारात्मक कदम उठाया जा रहा है, उसमें कुछ कमियों के चलते ये वर्ग आज भी उपेक्षित प्रतीत होती होती हैं उच्च शिक्षा में सहभागिता हेतु केन्द्र सरकार ने जो केन्द्रीय छात्रवृत्ति की योजना शुरु की है उससे 12वीं के आगे पढ़ाई जारी रखने वाली अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं को सम्मिलित किया गया है।

भारत में कानूनी समानता होते हुए भी आज भी समाज में अस्पृश्यता की समस्या को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सका है। अतः समाज में अनुसूचित जाति की बालिकाओं की सहभागिता को बढ़ाना होगा।

अनीता खींची एवं डॉ0 निधि मेहता ने **'शिक्षित अनुसूचित जाति की बालिकाओं के सामाजिक स्तर उन्नयन में शिक्षा की भूमिका'** शीर्षक के अन्तर्गत यह निष्कर्ष निकाला कि प्रस्तुत अध्ययन शिक्षित अनुसूचति जाति की बालिकाओं में सामाजिक स्तर उन्नयन में शिक्षा व्यवस्था की भूमिका में पाया गया कि शिक्षा के द्वारा अनुसूचित जाति के बालिकाओं के जीवन स्तर में सुधार आया है। आज वे अपने व्यक्तिगत निर्णय स्वयं

ले रही है और परिवारिक निर्णयों में भी अपना योगदान दे रहीं, इसके साथ ही शिक्षा के द्वारा उनकी सामाजिक–आर्थिक प्रस्थिति में सुधार आया है। अब वे आत्मनिर्भर बन रही है और घर को चलाने में आर्थिक रूप से मदद कर रही है। शिक्षा के द्वारा उनकी सोच एवं अभिवृत्ति में सुधार हुआ, अतः इससे यही निष्कर्ष निकलता है कि अनुसूचित जाति की बालिकाओं के सामाजिक स्तर उन्नयन में शिक्षा की अहम भूमिका है।

अध्ययन की कार्यप्रणाली

1. अध्ययन का क्षेत्र

अध्ययन के क्षेत्र के अन्तर्गत केवल उ0प्र0 राज्य के मिर्जापुर जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों को चयनित किया गया है।

2. प्रदत्त के स्रोत

मिर्जापुर जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की बालिकाओं को प्रदत्त के स्रोत के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है।

3. न्यादर्श

मिर्जापुर जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की 150 बालिकाओं का चयन सोद्देश्य यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है।

4. विश्लेषण के लिये उपकरण

प्रस्तुत शोध में उद्देश्य के अनुरूप शोधार्थिनी द्वारा प्रदत्त संग्रह के लिए साक्षात्कार अनुसूची का निर्माण किया गया और मिर्जापुर जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की सहायता से प्रदत्त संग्रहीत किया गया।

तालिका सं0 – 01

ग्रामीण क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षित स्थिति

क्रमांक	शैक्षिक स्तर	सं0	प्रतिशत
1.	हाईस्कूल	50	66.67
2.	इण्टरमीडिएट	15	20.00
3.	स्नातक	7	9.33
4.	स्नातकोत्तर	3	4.00
5.	अन्य	-	-
कुल योग		**75**	**100.00**

© Shiksha Samvad| Received: 03 September 2025 | Accepted: 06 September 2025 | Published: 11 September 2025

उपरोक्त तालिका से ज्ञात होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति में 66.67 प्रतिशत बालिकाओं ने हाईस्कूल, 20 प्रतिशत बालिकाओं ने इण्टरमीडिएट, 9.33 प्रतिशत बालिकाओं ने स्नातक, 4 प्रतिशत बालिकाओं ने स्नातकोत्तर तक की शिक्षा प्राप्त की है। अतः उपरोक्त तालिका से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की अधिकांश बालिकाओं ने केवल हाईस्कूल तक की शिक्षा ही प्राप्त की है।

तालिका सं0 – 02

शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति

क्रमांक	शैक्षिक स्तर	सं0	प्रतिशत
1.	हाईस्कूल	35	46.67
2.	इण्टरमीडिएट	19	25.33
3.	स्नातक	10	13.33
4.	स्नातकोत्तर	7	9.34
5.	अन्य	4	5.33
कुल योग		**75**	**100.00**

उपरोक्त तालिका से ज्ञात होता है कि शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति में 46.67 प्रतिशत बालिकाओं ने हाईस्कूल, 25.33 प्रतिशत बालिकाओं ने इण्टरमीडिएट, 13.33 प्रतिशत बालिकाओं ने स्नातक, 9.34 प्रतिशत बालिकाओं ने स्नातकोत्तर एवं 5.33 प्रतिशत बालिकाओं ने अन्य स्तर तक की शिक्षा प्राप्त की है। अतः उपरोक्त तालिका से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि शहरी क्षेत्र की लगभग सभी बालिकाओं का शैक्षिक स्थिति लगभग सभी स्तरों पर अच्छा है।

तालिका सं0 3

ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन

क्रमांक	शैक्षिक स्तर	ग्रामीण क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं का प्रतिशत	शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं का प्रतिशत
1.	हाईस्कूल	66.67	46.67
2.	इण्टरमीडिएट	20.00	25.33
3.	स्नातक	9.33	13.33
4.	स्नातकोत्तर	4.00	9.34
5.	अन्य	-	5.33
कुल योग		**100.00**	**100.00**

तालिका सं0 03 के अनुसार ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन में पाया गया कि शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति ग्रामीण क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति की तुलना में उच्च है।

निष्कर्ष

प्रदत्त विश्लेषण के उपरान्त अधोलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुए है–

1. तालिका सं0 1 से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि ग्रामीण क्षेत्र की अधिकांश बालिकाओं ने केवल हाईस्कूल तक की शिक्षा ही प्राप्त की है।
2. तालिका सं0 2 से यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि शहरी क्षेत्र की लगभग सभी बालिकाओं का शैक्षिक स्थिति लगभग सभी स्तरों पर अच्छा है।
3. तालिका सं0 3 से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार शहरी क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति ग्रामीण क्षेत्र की अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति की तुलना में उच्च है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- कोठारी सी. आर., शोध पद्धति
- गुप्ता एस. पी., अनुसन्धान संदर्शिका
- सिंह अरूण, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ
- कुमारी रूबी और कुमारी डॉ0 कल्पना, 2023, अनुसूचित जाति की बालिकाओं की उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहभागिता का विश्लेषणात्मक अध्ययन, प्रकाशित शोध पत्र, International Journal of Applied Research, Vol. 9, Issue-1, Part F, https://www.allresearchjournal.com
- खीची अनीता एवं मेहता डॉ0 निधि, 2022, शिक्षित अनुसूचित जाति की बालिकाओं के सामाजिक स्तर उन्नयन में शिक्षा की भूमिका, प्रकाशित शोध पत्र, International Journal of Education, Modern Management, Applied Sciences & Social Sciences (IJJEMM ASSS) Vol. 4, No. 3 (II), July-September, https://www.insipirajournals.com

Cite this Article:

[1]विजेता सिंह [2]प्रो0 अरविंद कुमार पाण्डेय, "अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन" *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 03, Issue 01, pp.183-187, September 2025. Journal URL: https://shikshasamvad.com/*

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

[1]विजेता सिंह [2]प्रो0 अरविंद कुमार पाण्डेय

For publication of research paper title

अनुसूचित जाति की बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-03, Issue-01, Month September 2025, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/

DOI:- https://doi.org/10.64880/shikshasamvad.v3i1.22